



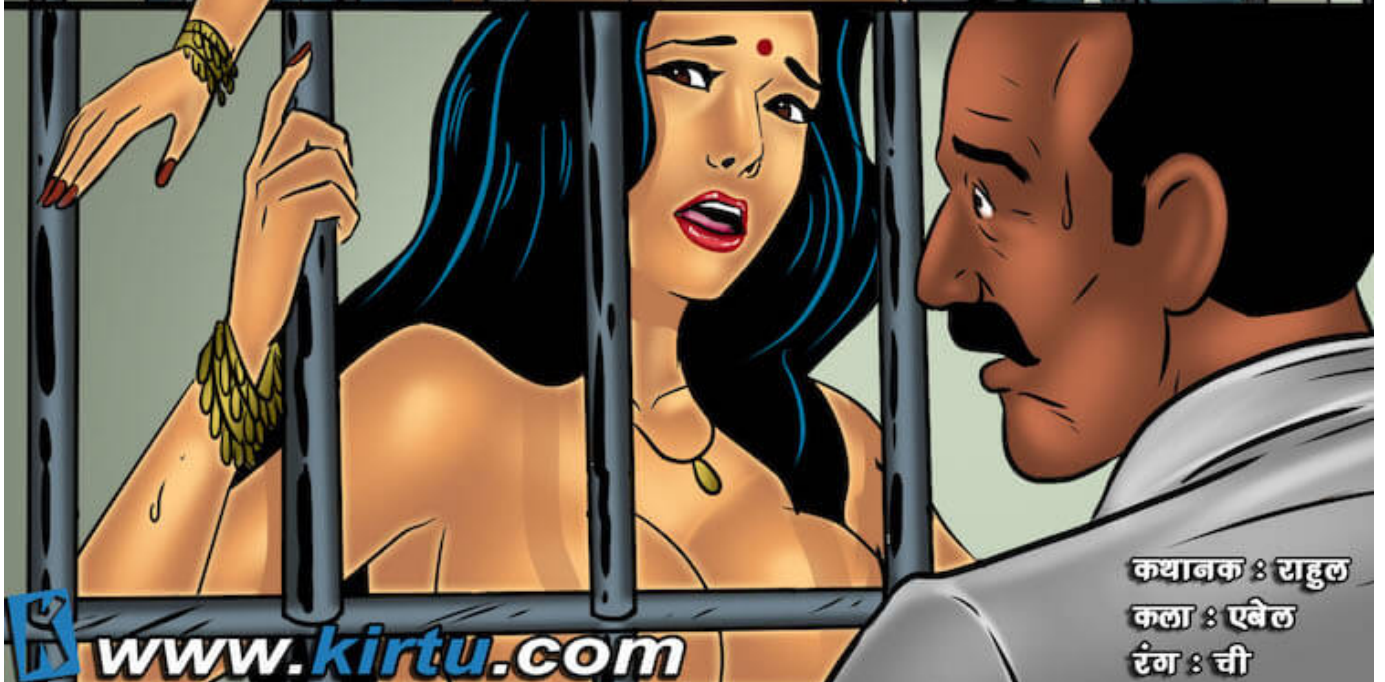
Kirtu presents

सविता भाभी

पारिवारिक छुट्टियों 2

कड़ी 58 :

एक पत्नी का बलिदान



कथानक : राहुल

कला : एबेल

रंग : ची



www.kirtu.com

बार्सिलोना में एक
स्थानीय जेल
00:15 A.M.

मैंने नहीं सोचा था कि कभी
ऐसी भी परिस्थितियाँ
हो जायेंगी.

और ये मेरे पति... मुझे नहीं
पता वो इस वक़्त क्या
सोच रहे होंगे?

शिट.. मैं कभी
इतनी जल्दी नहीं झड़ा...

SPURT
SPURT

मिस्टर पटेल!
तुम्हारी पत्नी काफी
शानदार है!

मेरी पत्नी सर्वश्रेष्ठ है.
मुझे बचाने के लिए कितना
कुछ झेल रही है.

और ये मैं. मैसेज सविता पटेल! दो
अनजाने मर्दों का लंड चूसते हुए, वो
भी अपने पति के सामने. मैंने पूर्व
में भी कई बार ऐसी शरारतों की हैं
लेकिन कभी भी अपने पति के सामने
नहीं. और वो मुझे उनका मुखमैथुन
करने से रोक भी नहीं रहा है. बल्कि
वो तो मुस्कुरा रहा है कि मैं
ऐसा कर रही हूँ.

ये सब शुरू
हुआ, अब से
बस कुछ घंटों
पहले...





उसने काफी पी रखी थी.
फिर इसके बाद वो शौचालय गया लेकिन
फिर वापिस ही नहीं आया.

दुसरे उसे ढूँढ रहे हैं.
मैं और छोटी बहू भी उनकी
मदद के लिए जा रहे हैं.

सविता! तुम यहीं
रुको, हो सकता है वो
यहीं आ जाय तो.



जल्दी ही..

अशोक ने सभी के
लिए परेशानी खड़ी
कर दी है.

आशा करती हूँ
कि वो सही सलामत हो.
ताकि जब वो घर लौटे तो
मैं उसे फटकार सकूँ.

हेलो! ये होटल
रिसेप्शन है.

अच्छा. हाँ! क्या मेरे
परिवार से किसी ने आपको
कॉल किया था?

माफ कीजियेगा मैम.
हमें सिर्फ एक कॉल
आया था, कैटलन
पुलिस स्टेशन से.
आपके पति को गिरफ्तार
कर लिया गया है.

कक्क.... क्या??



उन्होंने परिवार के
किसी सदस्य को पुलिस
स्टेशन पे बुलाया है.

11:15 P.M.

मैंने होटल स्टाफ से अपने परिवार के किसी भी सदस्य को पुलिस के बारे में बताने से मना किया.

वो सोचेंगे कि अशोक ने मुझे बुलाया है और मैं बस उसे लेने गयी हूँ.

हाँ! मैं उनकी पत्नी हूँ, क्या आप मुझे बता सकते हैं कि क्या हुआ?

ये एक गली में वैश्यावृत्ति करता हुआ पकड़ा गया है.

क्या?? वो ऐसा नहीं कर सकते.

वो रंगे हाथों पकड़ा गया है. और हम उसे सुबह यहाँ से ले जाने के लिए बुक करने वाले हैं.

नहीं! कृपया मुझे उससे बात करने दीजिये.

हम्म.. हमें तुम्हारे जैसी सुन्दर औरत की मदद तो करनी ही चाहिए...

क्या कहते हो मार्क! इसे थामे रहना जब तक ये दोनों बातें करते हैं.

ये सुवर मुझे तकलीफ दे रहा है. लेकिन अशोक की जमानत होने तक मैं इसपे गुस्सा नहीं कर सकती.

इधर से आइये मैम. ये एक छोटा पुलिस स्टेशन है, इसलिए इस वक़्त यहाँ सिर्फ मैं, मार्क और आपके पति हैं.

एह्रं.... धन्यवाद ऑफिसर!





00:00 A.M.

मुझे बहुत शर्म आ रही है ऑफिसर.
मैंने कभी अपना शरीर किसी गैर मर्द
को नहीं दिखाया.

उपपफ... नहीं मैं ठीक हूँ.

आगे बढ़ो सविता!
तुम उन्हें खुद के कपड़े
उतारने दो!

अब आ भी जाओ!
क्या तुम्हें उसके धोखा
देने की वजह से गुस्सा
नहीं आ रहा!

हाँ...!! उसे
सजा मिलनी ही
चाहिए!

हम रुक सकते हैं
अगर तुम्हारा पति हमसे
ऐसा करने को कहे तो.

एर्र्र... तुम मुझे नंगा
कर रहे हो. तुम्हें मुझे छूना
भी नहीं चाहिए.

आआहह... अशोक! इनके
हाथ मेरे स्तन को बहुत
अच्छा महसूस करा रहे हैं.

अशोक के सामने
ये सब करना काफी
उलझन भरा लाग रहा
है. और वो तो इन्हें रोकने
का भी प्रयास नहीं
कर रहा.











तुम लोगों ने मुझे काफी उत्तेजित कर दिया है. उम्म... मेरे होठों और मेरी चूचियों को एक साथ चूम रहे हो... अहहहहह.



मेरे चूचकों को काटो, ऑफिसर!



अहहहहह.. काश मेरा पति भी मुझे इस तरह का आनन्द दे पाता.



उसने मुझे अभी आँख मारी. मानो कह रही हो कि ये सब इन गार्ड्स को संतुष्ट करने के लिए दिखावा मात्र है.



















00:16 A.M.

तुम्हारी बीवी उन सबमे सबसे बेहतर है जिनकी आज तक हमने चुदाई की!





मैंने कभी इतने अन्दर तक किसी लंड को महसूस नहीं किया.

अह्हहह.... तुम दोनों काफी अच्छे हो. मैंने कभी इतना अच्छा महसूस नहीं किया.

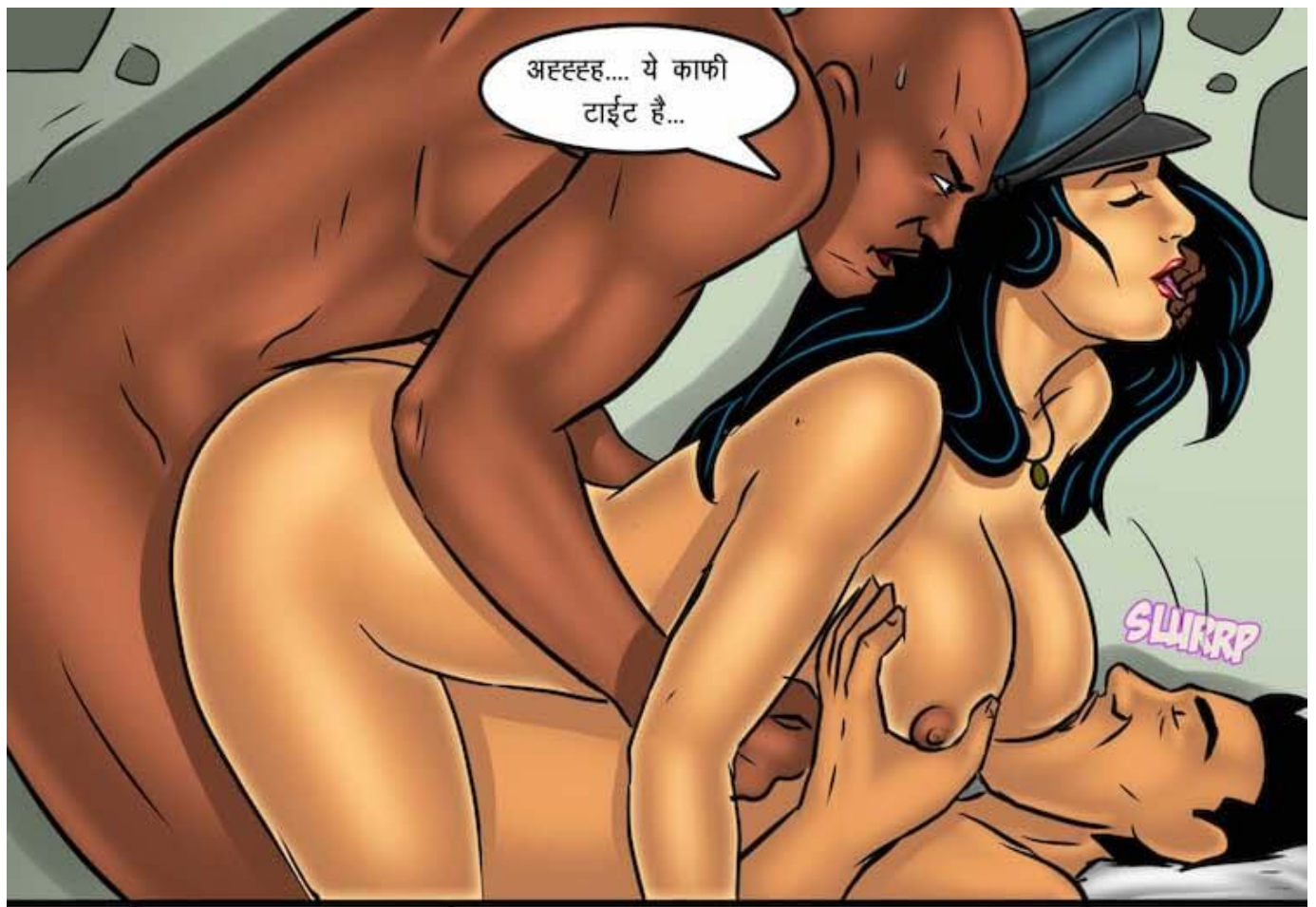
ये वाकई मुझे काफी उत्तेजित कर रहा है.

हे! अब समय आ गया है कि मैं भी इस मजे को लूँ.

मैं शर्त लगा सकता हूँ कि कभी तुम्हारे पति ने तुम्हारी गांड नहीं मारी..... मुझे इसकी केयर करनी होगी.

ओह्हहह... जो तुम चाहते हो वो करो ऑफिसर! आज की रात मैं तुम्हारी सेक्सी खिलौना हूँ.













5:05 AM

तुम अब जाने के लिए
आजाद हो मिस्टर पटेल!

हम्म.. मैं इस पैंटी को एक
यादगार के रूप में रख लेता हूँ.

जल्दी ही!

अशोक क्या तुम्हें पिछली रात
के बारे में कुछ भी याद है?

मिसेज पटेल!! लगता है
तुमने चुदाई का एक और दिन जिया!

नहीं... मुझे लगता है..
मैंने कोई भयानक सपना
देखा है.

समाप्ति!



यह एक फ्री कॉमिक है
क्या आप और कॉमिक्स देखना चाहते हैं?
अभी मेम्बर बनिए और सदस्यता लीजिये!

कपया यहाँ जाइये
SavitaBhabhi.vip/subscribe

अगर आप पहले से सदस्य हैं? तो इसे नजर अंदाज कीजिये!